Amar Ujala Page No.- 6
Date- 16.05.2012

तीन स्तर पर किए गए तबादले

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। पुलिसकर्मियों की स्थानांतरण नीति में बदलाव के बाद सरकार ने 45 हजार से अधिक दरख्वास्तों का निस्तारण करने के लिए रेंज, जोन व पुलिस मुख्यालय स्तर पर तबादले करने का फैसला किया। रेंज व जोन मुख्यालयों पर जिन प्रकरणों का निस्तारण हो सकता था, उन्हें निस्तारित कर दिया गया। बाकी की दरख्वास्तों का निस्तारण पुलिस मुख्यालय से कराने का निर्णय किया गया। तबादले के लिए इतनी अर्जियां आईं थीं कि बड़ी तादाद में तबादले करना एकबारगी तो मुश्किल लग रहा था।

डीजीपी एसी शर्मा ने बताया कि तबादले के लिए प्रार्थना पत्रों की अधिकता को देखते हुए और अचल संपत्ति वाली शर्त को ध्यान में रखते हुए इनका निस्तारण किया जाना आसान काम नहीं था। गौरतलब है कि राज्य सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में पुलिसकर्मियों की दिक्कतों का समाधान कर उनका तबादला गृह जनपद अथवा नजदीकी जिले में करने के बाबत फैसला किया गया था।

अर्जियां इतनी थीं कि एकबारगी तो मुश्किल लग रहा था काम

सॉफ्टवेयर का लिया सहारा

डीजीपी ने बताया कि इतने बड़े स्तर पर स्थानांतरण के लिए वेब इनेबल्ड नॉमिनल रोल सिस्टम सॉफ्टवेयर में एक ट्रांसफर माड्यूल बनाया गया था। इस मॉड्यूल के जरिए इस काम को आसानी से कर लिया गया। जिन बीस हजार पुलिसकर्मियों का मंगलवार को तबादला किया गया, उनमें से 17,131 सिपाहियों का तबादला उनके पहले विकल्प के जिले में, 1444 का उनके विकल्प के दूसरे जिले और 971 पुलिसकर्मियों को उनके विकल्प के तीसरे जिले व 780 को उनके विकल्प के नजदीक के जिले में स्थानांतरित किया गया है।